हिंदी संस्करण का कार्य प्रगति पर है

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इण्डिया लिमिटेड की सहायक कम्पनी)

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड इस देष की एक वृहद कोयला उत्पादक कम्पनी है। यह कोयला मंत्रालय के अधीन कोल इण्डिया लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) की सहायक कम्पनी है। इस कम्पनी को वर्ष 1997–98 में इस देष का **उत्कृष्ट सार्वजनिक उपक्रम** घोषित किया गया और वर्ष 2003 में प्रदूषण नियंत्रण एवं ऊर्जा संरक्षण हेतु **जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल अवार्ड** एवं वर्ष 2004 में **उत्कृष्ट पुरस्कार** दिया गया है।

वर्ष 2004–05 में कोल इण्डिया लिमिटेड द्वारा 323.64 मिलियन टन के कुल कोयला उत्पादन में से एसईसीएल द्वारा कुल कोयला उत्पादन खुली खदान एवं भूमिगत खदानों से 78.55 मिलियन टन था, जो कि कोल इण्डिया लिमिटेड की सभी सहायक कम्पनियों में सबसे अधिक है। एसईसीएल अपनी स्थापना काल से ही लाभ अर्जन कर रही है।

एसईसीएल का कोयला संचय : (एसईसीएल का लोकेषन प्लॉन देखने के लिए यहां क्लिक करें)

एसईसीएल का कोयला संचय, छत्तीसगढ़ में 04 जिले अर्थात् बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा एवं कोरिया तथा मध्यप्रदेष में शहडोल जिले में स्थित है। यह सोन तथा महानदी के मुख्य घाटी में स्थित है।

एसईसीएल में कुल 92 कोयला खदानें हैं, जिनमें से कुल भूमिगत खदान 72 तथा खुली खदान 18 है। इसके अलावा दो मिश्रित खदानें भी हैं। यह खदानें 12 प्रषासनिक क्षेत्रों में विभाजित हैं :–

01. जोहिला क्षेत्र.
02. सोहागपुर क्षेत्र.
03. जमुना–कोतमा क्षेत्र.
04. हसदेव क्षेत्र.
05. चिरमिरी क्षेत्र.
06. बैकुण्ठपुर क्षेत्र.
07. बिश्रामपुर क्षेत्र.
08. भटगांव क्षेत्र.
09. कोरबा क्षेत्र.
10. गेवरा क्षेत्र.
11. कुसमुण्डा क्षेत्र
12. रायगढ़ क्षेत्र.

इसका निगमित कार्यालय (कारपोरेट ऑफिस) बिलासपुर (छ0ग0) में स्थित है।

दिनांक 31.03.2005 तक एसईसीएल में भू–गर्भीय कोयला संचय 44.838 बिलियन टन है।

दिनांक 31.03.2005 तक एसईसीएल के पास 956.41 वर्ग किलोमीटर पर माइनिंग राइट एवं 259.85 वर्ग किलोमीटर पर आल राइट प्राप्त है।

एसईसीएल के पास निम्न भूगर्भीय संचय के साथ 04 बड़े कोयला क्षेत्र हैं :–

दिनांक 31.03.2004 तक भारत के भू–सर्वेक्षण विभाग (जीएसआई) के अनुसार एसईसीएल की संचय संभावना इस प्रकार है :

बड़े कोयला क्षेत्र	**कोयला खनन क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)**	**भूगर्भीय संचय (मिलियन टन)**	**गहराई (मीटर)**
01. कोरबा	530.0	10074.77	0.600

02. सेन्ट्रल इण्डिया	5345.0	13955.61	0.1200
03. माण्ड–रायगढ़	520.0	18532.93	0.1200
04. रामकोला तातापानी	260.0	1616.79	0.600
एसईसीएल	6655.0	44180.10	0.1200

कोरबा कोयला क्षेत्र :

कोरबा कोयला क्षेत्र छत्तीसगढ़ के कोरबा जिला में स्थित है तथा लगभग 530 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

भारत के भू–सर्वेक्षण विभाग (जीएसआई) के अनुसार कोरबा कोलफील्ड में 10075 मिलियन टन कोयला है।

संचय मुख्य रूप से दो जिला क्षेत्रों में सीमित है :–

01. मोटी परत / खनन योग्य पावर ग्रेड क्षेत्र., जिसमें श्रेणी ''ई'', ''एफ'' एवं ''जी'' शामिल है, करीब 9068 मिलियन टन है

02. पतली परत / भूमिगत श्रेष्ठ श्रेणी क्षेत्र, जिसमें ''बी'' से ''डी'' श्रेणी का कोयला अनुमानतः 1007 मिलियन टन है।

- कोरबा सेन्ट्रल इण्डिया माण्ड–रायगढ़ रामकोला तातापानी

सेन्ट्रल इण्डिया कोलफील्ड्स :

01. यह पूर्व में बिश्रामपुर कोयला क्षेत्र से पष्चिम में उमरिया–कोरार कोयला क्षेत्र तक फैला हुआ है एवं 04 जिलों में अर्थात् छत्तीसगढ़ में सरगुजा एवं कोरिया तथा पूर्वी मध्यप्रदेष में शहडोल तथा उमरिया में स्थित है।

02. इसमें 14 कोयला क्षेत्र शामिल हैं, ये क्रमषः कोड़ार, उमरिया, जोहिला, सोहागपुर, सोनहट, झिलमिली, चिरमिरी, सेन्दूरगढ़, कोरियागढ़, दमहा मुण्डा, पंचबहिनी, हसदेव अरंद, लखनपुर तथा बिश्रामपुर हैं। इनमें से 03 कोयला क्षेत्र क्रमषः कोड़ार, कोरियागढ़ एवं दमहा मुण्डा केवल भौगोलिक महत्व के हैं, यहां कोई कोयला सीम की संभावना नहीं है।

03. 02 कोयला क्षेत्र अर्थात् पंचबहिनी एवं हसदेव अरंद नई हैं। इनकी केप्टिव के रूप में पहचान की गयी है।

04. यह 5345 वर्ग किमी में फैला हुआ है, जहां भूगर्भीय कोयला संचय 13955.61 मिलियन टन के साथ अधिकांषतः ''बी'' एवं ''सी'' श्रेणी का कोयला उपलब्ध है। कोयला संचय करीब 0–1200 मीटर की गहराई में है इसलिए इन कोयला क्षेत्रों में पूर्वी भाग के कुछ ब्लाक में जहां खुली खदान की संभावना है, को छोड़कर भूमिगत खदान के अनुकूल है।

- कोरबा सेन्ट्रल इण्डिया माण्ड–रायगढ़ रामकोला तातापानी

माण्ड–रायगढ़ कोयला क्षेत्र :

01. यह छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिला में स्थित है।
02. यह 520 वर्ग किमी में फैला हुआ है।
03. यहां कोयला संचय 18522.93 मिलियन टन है, जहां ''ए'' से ''जी'' श्रेणी का कोयला उपलब्ध है।
04. पावर ग्रेड कोयले की अधिक संभावना तथा इसका खुली खदान–खनन पद्धति द्वारा दोहन किया जा सकता है।
05. अवसंरचना सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही है।
06. प्रायवेट/केप्टिव माइनिंग की संभावना/**गेयर ब्लाक को केप्टिव माइन ब्लाक के रूप में पहचान किया गया है।**

- कोरबा सेन्ट्रल इण्डिया माण्ड–रायगढ़ रामकोला तातापानी

रामकोला तातापानी कोयला क्षेत्र. :

01. यह छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला में स्थित है।
02. यह 260 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।
03. दोहन कार्य अभी प्रारम्भ किया जाना है।
04. कोयला संचय 1616.79 मिलियन टन है, जिसमें ''ए'' से ''जी'' श्रेणी का कोयला शामिल है।
05. कोयला निष्काषन के कार्य हेतु अवसंरचना सुविधाएँ अभी भी उपलब्ध कराना शेष है।

- कोरबा सेन्ट्रल इण्डिया माण्ड–रायगढ़ रामकोला तातापानी

नियंत्रण क्षेत्र में केप्टिव माइन ब्लाक की स्थिति :

क0	कोयला क्षेत्र	ब्लाक/ उपब्लाक	क्षेत्र वर्ग किमी	भू–गर्भीय संचय (मि0 टन)	टेन्टेटिव ग्रेड
01.	हसदेव अरंद	बिसरार	14	131	बी–एफ
02.	हसदेव अरंद	मदनपुर	20	241	बी–एफ
03.	हसदेव अरंद	पतूरिया	20	265	एफ
04.	हसदेव अरंद	तारा	25	325	डी–जी
05.	हसदेव अरंद	गिधमूरी	14	75	डी–जी
06.	हसदेव अरंद	परसा	12	100	डी–जी
07.	हसदेव अरंद	चोटिया	30	60	सी–डी
08.	हसदेव अरंद	नाकिया	15	500	डी–एफ
09.	हसदेव अरंद	पंचबहिनी	12	11	डब्ल्यूजी–प्ट
10.	कोड़ार	उमरिया पष्चिम	–	लागू नहीं	
11.	माण्ड–रायगढ़	गारे – प	–	850	
12.	माण्ड–रायगढ़	गारे– पप	24.95	614.4	सी–जी
13.	माण्ड–रायगढ़	गारे– पपप	6.32	185	सी–जी
14.	माण्ड–रायगढ़	गारे– प्ट.1	7.03	99	सी–एफ
15.		गारे– प्ट.2	4.8	98	बी–एफ
16.		गारे– प्ट.3	4.7	98	सी–एफ
17.		गारे– प्ट.4	5.7	100	बी–एफ
18.		गारे– प्ट.5	5.7	100	बी–एफ
19.		गारे– प्ट.6	3.6	124	सी–एफ
20.		गारे– प्ट.7	3.6	124	सी–एफ
21.		गारे– प्ट.8	4.5	72	बी–एफ

कोयला खनन – हमारा व्यवसाय :

उत्पादन एवं उत्पादकता :

वर्ष	उत्पादन (मिलियन टन में)			उत्पादकता (आऊटपुट/मेनषिफ्ट)		
	खुली ख0	भूमिगत	योग	खुली ख0	भूमिगत	योग
98–99	41.56	16.00	57.56	9.24	0.92	2.64
99–00	42.75	16.01	58.70	9.36	0.93	2.70

00–01	44.57	15.76	60.33	9.96	0.93	2.83
01–02	48.21	15.91	64.12	10.03	0.97	3.00
02–03	50.44	16.16	66.60	10.70	1.01	3.21
03–04	54.65	16.36	71.01	11.25	1.05	3.49
04–05	61.97	16.58	78.55	12.27	1.11	3.95

निष्पादन, वर्ष 2004–05 :

मद		वास्तविक	: वृद्धि
कुल उत्पादन	मि0टन	78.55	10.60
खुली खदान उत्पादन	मि0टन	61.97	13.39
भूमिगत उत्पादन	मि0टन	16.58	1.28
अधिभार निष्काषन	एमएम–3	80.52	10.61
कुल ओ0 एम0 एस0	टन	3.95	12.89
खुली खदान ओएमएस	टन	12.27	9.07
भूमिगत ओएमएस	टन	1.11	4.72
कोयला ढुलाई	मि0टन	78.80	11.10
वैगन लदान	चार चक्का वैगन/प्रतिदिन	4453	6.61
इस्पात संयंत्र को आपूर्ति	लाख टन	15.176	15.39

श्रेणीवार उत्पादन, वर्ष 2004–05 :

श्रेणी	प्रतिशत
ए	2.94
बी	11.75
सी	11.94
डी	5.05
ई+एफ	68.13
अन्य	0.19

राज्यवार उत्पादन (मिलियन टन)

छत्तीसगढ़	मध्यप्रदेष
66.16 (84:)	12.39 (16:)

प्रेषण एवं ढुलाई :

01. वर्ष 2004–05 के दौरान उपभोक्ताओं को 78.76 मिलियन टन कोयला प्रेषण किया गया। पिछले वर्ष की तुलना में प्रेष.ा में 11.13: की वृद्धि हुई है।

02. वर्ष 2004–05 में ढुलाई 78.80 मिलियन टन हुआ। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 11.10: वृद्धि हुई है।

सेक्टरवार प्रेषण टन (मिलियन टन) : (कुल प्रेषण वर्ष 2004–05 :– 78.76 मि0 टन) :

सीमेन्ट	उर्वरक	विद्युत गृह	इस्पात/स्पंज	अन्य

7.25	0.55	60.98	4.18	5.8

साधनवार प्रेषण : (मिलियन टन) : (कुल प्रेषण वर्ष 2004–05 : 78.76 मि0 टन)

रेल	रोड	एमजीआर	बेल्ट	अन्य/स्वयं के वैगन
39.44	17.93	13.85	4.25	3.29

कोयला उत्पादन – एसईसीएल

वित्तीय परिणाम :

(वर्ष 2004–05 हेतु)

रायल्टी तथा कर (करोड़ रू0 में)			
राज्य शासन को रॉयल्टी			
वर्ष	छत्तीसगढ़	मध्यप्रदेष	
2001–02	348.34	116.90	
2002–03	427.58	133.85	
2003–04	491.32	143.67	
2005–05	533.47	147.12	
विक्रय कर			
वर्ष	छत्तीसगढ़	मध्यप्रदेष	पश्चिम बंगाल
2001–02	124.24	49.07	2.30
2002–03	140.57	50.80	2.01
2003–04	150.14	52.56	2.43
2004–05	188.57	62.71	3.28

कर के पूर्व लाभ

वर्ष	रू0 करोड़ में
2001–02	768.87
2002–03	882.13
2003–04	1314.22
2004–05	1580.93

एसईसीएल अपनी स्थापना काल (1986) से ही लाभ अर्जित कर रही है।

रू0 करोड़ में

	2004–05	2003–04	2002–03	2001–02
ब्याज अवमूल्यन के पूर्व कुल लाभ	182016.63	156063.45	114673.41	106038.14
घटाएँ – ब्याज	1377.58	1971.42	3666.98	6529.43
घटाएँ – अवमूल्यन	22546.04	22670.36	22793.82	22622.13
कर पूर्व लाभ	158093.01	131421.67	88212.61	76886.58
घटाएँ : कराधान हेतु उपबंध	52286.35	39088.07	32458.24	27773.00
कर पश्चात् लाभ	105806.66	92333.60	55754.37	49113.58
जोड़े : लाभ–हानि लेखा में शेष	141272.55	100377.61	81588.14	61300.18
निवेश उपयोग संचय	0.00	1635.02	3121.93	2162.36
प्रतिशेष कर उपबंध वापस लिया गया तथा आस्थगित कर	(–)70.22	276.93	136.06	3536.57
परिसम्पत्ति की हानि	4329.42	– –	– –	– –
विनियोग हेतु उपलब्ध सरप्लस	242820.01	194069.30	140600.50	116112.69
विनियोग				
पूंजी ऋण मुक्ति संचय	– –	– –	7500.00	7500.00
सामान्य संचय	1085.00	9250.00	5600.00	5500.00
तरजीह अंष पर लाभांष	– –	2631.00	3000.00	3000.00
इक्विटी शेयर पर लाभांष	42444.60	35970.00	21042.45	18524.55
लाभांश कर	5888.86	4945.75	3080.44	– –
शेष आगे लाया गया				
तुलन पत्र	**183901.55**	**141272.55**	**100377.61**	**81588.14**

वित्तीय निष्पादन सूची :

क्र0	विवरण	वर्षान्त			
		2004–05	2003–04	2002–03	2001–02
01.	नियोजित पूंजी (करोड़ रू0 में)	2301.83	1887.66	2939.71	2849.72
02.	विक्रय (करोड़ रू0 में)	6544.52	5365.66	5062.99	4653.71
03.	वर्तमान अनुपात	1.20	1.031	0.531	0.49
04.	ऋण / इक्विटी अनुपात	0.16	0.210	0.250	0.31
05.	कर पूर्व लाभ (:)				
	’ नियोजित पूंजी	68.68	69.62	30.01	26.98

	ए वास्तविक मूल्य	53.65	54.43	45.72	— —

प्रौद्योगिकी : हमारी आवष्यकता :

एसईसीएल भूमिगत खदानों से अधिक उत्पादन के लिए शुरू से ही प्रयासरत है। यहां केबिल बोल्टिंग के साथ मोटी परत उत्खनन, बलरामपुर तथा राजेन्द्र भूमिगत खदानों में चीन के सहयोग से पावर्ड सपोर्ट लांगवाल प्रौद्योगिकी तथा फ्लोरपिनिंग के साथ समीपस्थ सीम की डिप्लेरिंग, पूर्व में ही सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दिए गए हैं। यू0 के0 तथा अन्य विकसित देशों के सहयोग से कन्टीन्यूअस माइनर्स के साथ वृहद उत्पादन प्रौद्योगिकी, हार्ड रूफ प्रबंधन हेतु दो तरह की विधियॉ क्रमषः हाइड्रो फ्रेक्चरिंग तथा लांग होल ब्लास्टिंग पद्धति अपनाई जा रही है। जहां गैसीय खदान हैं वहां विस्फोट से बचने हेतु अपने ही देष में विकसित कटर लोडर का प्रयोग किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी का उन्नयन एक निरंतर प्रक्रिया है, जो काफी स्पर्धापूर्ण है। खुली खदानों में आधुनिक शॉवेल, जिसकी क्षमता 10 एम0क्यू0 तथा 120 टन डम्पर का उपयोग किया जा रहा है। एच0 ई0 एम0 एम0 जैसी मषीन के प्रयोग से एसईसीएल को देष में सबसे बड़ी खुली खदान संचालन की उत्कृष्टता प्राप्त है। एसईसीएल द्वारा गेवरा कोयला क्षेत्र में 40 एम0 क्यू0 तक का शॉवेल तथा 240 टन क्षमता वाले डम्पर उपयोग में लाये जाने की योजना है।

प्रौद्योगिकीवार भूमिगत कोयला उत्पादन (वर्ष 2004—05) :

नाम	प्रतिशत (मि0 टन)
लांगवाल	4.36
एस0 डी0 एल0	72.65
एल0 एच0 डी0	12.92
कन्टीन्यूअस माइनर	2.01
मेनुअल	8.06

सुरक्षा : हमारी प्राथमिकता :

- सुरक्षा एक अत्यन्त महत्व का विषय है।
- विभिन्न स्तर पर सुरक्षा जागरूकता लाने हेतु आंतरिक सुरक्षा संगठन का संचालन।
- रूफ बोल्ट तथा रेजिंग कैप्सूल सहित टिम्बर सपोर्ट से स्टील सपोर्ट की प्रगामी षिफ्टिंग।

- कर्मचारियों के लिए नियमित प्रषिक्षण के अलावा उन्हें समय–समय पर प्रषिक्षण केन्द्र के माध्यम से भी प्रषिक्षण दिया जाता है।
- इन हाऊस स्ट्राटा मॉनीटरिंग किया जा रहा है।
- इसके अतिरिक्त गृह प्रयोगषाला में ''रॉक मॉस रेटिंग'' किया जाता है।

सुरक्षा हेतु कम्पनी का ध्येय :

कम्पनी अपने संचालन कार्यों के सभी पहलुओं पर सम्पूर्ण सुरक्षा के लिए पूर्णरूपेण प्रतिबद्ध है। कम्पनी का उद्देष्य है कि सभी उत्पादन लक्ष्यों पर खानसुरक्षा की भूमिका को सर्वोपरि मानना तथा कम्पनी द्वारा कर्मचारियों की सुरक्षा को प्रथम प्राथमिकता मानते हुए किसी अन्य तर्क के साथ समझौता नहीं किया जाएगा।

खानसुरक्षा नीति :

खनन एक जोखिमपूर्ण कार्य है, जहां उसके क्रियाकलाप में प्रकृति के विरूद्ध कार्य करने की बाध्यता होती है किन्तु कार्य के दौरान अपने व्यवसाय में इस सीमा तक प्रगति करना सीख लिया है कि एसईसीएल ने कोयला खनन के क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति की है। एसईसीएल द्वारा इस हेतु सुरक्षा नीति बनाई गई है, जिसमें 27 बिन्दु शामिल हैं। इन बिन्दुओं के निम्न आकर्षण हैं, जो संक्षिप्त में इस प्रकार हैं :

01. सभी संचालन कार्यों की योजना एवं परिकल्पनाएँ इस प्रकार की जाएं कि खनन जोखिम समाप्त हो जाए या व्यावहारिक रूप से कम हो जाए।

02. निदेषक, खानसुरक्षा को सहयोग प्रदान करना एवं खदान उपस्कर निर्माता ऐसे सुरक्षित खनन पद्धति के विकास एवं उपस्करों का निर्माण करें ताकि कार्य करने में अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो एवं प्रौद्योगिकी में अपेक्षानुसार परिवर्तन लाया जा सके।

03. असुरक्षित कार्यों के लिए काम चलाऊ प्रबंधन हेतु सुरक्षित कार्यषैली को नियमित अग्रगामिता के रूप में समझें।

04. प्रौद्योगिकी में अपेक्षित परिवर्तन कर कार्यषैली में सुधार लाएं।

05. सुरक्षा मामलों पर संयुक्त सलाह के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ उनकी प्रेरणा एवं सुरक्षा प्रबंध में अभिमत प्राप्त करने के लिए समुचित फोरम का आयोजन करें।

06. प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में कम्पनी के साथ ही साथ व्यक्तिगत इकाई दोनों के लिए वार्षिक सुरक्षा योजना एवं लम्बी अवधि सुरक्षा योजना तैयार करना तथा भू–खनन स्थितियों के अनुसार विभिन्न संचालनों में उन्नत सुरक्षा व्यवस्था प्रभावषील बनाएं।

07. विचार–विमर्ष के माध्यम से सुरक्षा मानकों में सुधार लाना तथा कार्य के स्वरूप/प्रकृति के आधार पर उनमें संलग्न व्यक्तियों के लिए प्रषिक्षण उपलब्ध कराना।

08. मुख्यालय के साथ–साथ क्षेत्रीय स्तर पर आंतरिक सुरक्षा संगठन के माध्यम से सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन के बहुस्तरीय नियंत्रण की व्यवस्था।

09. यह सुनिष्चित करना कि सभी स्तर के कर्मचारी अपने कार्यों में सुरक्षा चेतना का प्रचार कर रहे हैं साथ ही अपने बीच सुरक्षा उपायों के लिए उत्तरदायित्व भी निभा रहे हैं।

10. सभी कर्मचारियों के लिए हमेषा षिक्षा, प्रषिक्षण जारी रखना एवं सुरक्षा अनुकूल कुषलता के विकास पर विषेष जोर देना।

11. सभी कर्मचारियों के लिए शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का सतत प्रयास करना।

12. किसी भी दुर्घटना के कारणों की जॉच करना तथा सुरक्षा समिति द्वारा निवारक उपायों की सलाह देना एवं प्रतिकारी उपायों के लिए अनुवर्ती कार्यवाही करना।

आंतरिक सुरक्षा संगठन :

आई0 एस0 ओ0, एसईसीएल में निदेषक तकनीकी (संचालन) के प्रषासनिक नियंत्रण तीन स्तरों में है, जिसका सम्पूर्ण नियंत्रण अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेषक द्वारा होता है। निगमित स्तर पर इसका नियंत्रण मुख्य महा प्रबंधक (सुरक्षा / बचाव) द्वारा तथा क्षेत्रीय स्तर पर क्षेत्रीय खानसुरक्षा अधिकारी द्वारा होता है।

कार्य :

01. सुरक्षा नीति का निर्माण एवं संचालन योजना में सक्रिय भागीदारी।

02. खदानों का निरीक्षण एवं सिस्टम में कमियों को दूर करना।

03. खदानों में प्रत्येक दुर्घटनाओं एवं घटनाओं की जॉच तथा विष्लेषण तथा संबंधित क्रियाकलाप और उनकी अनुषंसाओं का प्रचार करना।

04. अच्छी गुणवत्ता वाले सुरक्षा सामानों की आपूर्ति सुनिष्चित करना।

05. सुरक्षा सम्मेलनों, सीआईएल सुरक्षा बोर्ड, सुरक्षा की स्थायी समिति की अनुषंसा का क्रियान्वयन सुनिष्चित करना।

06. मानसून की सम्पूर्ण तैयारियों की समीक्षा।

07. वार्षिक सुरक्षा सप्ताह एवं विषेषज्ञता सुरक्षा प्रषिक्षण का आयोजन।

08. विभिन्न सुरक्षा समिति की बैठकें आयोजित करना।

09. नई खदानों के लिए सुरक्षा अनुमति जारी करना।

10. मासिक आधार पर क्षेत्रीय मुख्य महा प्रबंधक / महा प्रबंधक के साथ इकाई सुरक्षा अधिकारी की बैठक आयोजित करना।

सुरक्षा मंच :

सुरक्षा में वृद्धि हेतु कई प्रकार के विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा मंच क्रियाषील हैं, जैसे–इकाई स्तर पर कामगार निरीक्षक एवं पिट सेफ्टी कमेटी, क्षेत्रीय स्तर पर सुरक्षा समिति / बोर्ड, क्षेत्र एवं निगमित स्तर पर द्विपक्षीय एवं त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति तथा इकाई से निगमित स्तर तक संयुक्त सलाहकार समिति सक्रिय है।

संस्तर नियंत्रण :

इस हेतु गृह संस्तर नियंत्रण पद्धति अपनाई गई है। रूफ बोल्टिंग पद्धति सपोर्ट सिस्टम के रूप में प्रारंभ किया गया है। इसके अलावा टिम्बर का प्रयोग कम करने के उद्देष्य से स्क्वायर तथा ट्राएंगुलर चोक्स को उपयोग में लाया जा रहा हे। सपोर्ट सिस्टम, रॉक मॉस रेटिंग पर आधारित है, जो गृह प्रयोगषाला में उपयोग में लाया जा रहा है।

कर्मचारी प्रषिक्षण :

खान व्यावसायिक प्रषिक्षण नियम, 1966 के अधीन एसईसीएल के कर्मचारियों को सांविधिक प्रषिक्षण के अलावा भर्ती के समय तथा नियमित अंतराल में व्यावसायिक प्रषिक्षण केन्द्रों में आवष्यकता आधारित प्रषिक्षण भी क्षेत्रीय स्तर पर तथा एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर के मानव संसाधन विकास विभाग में दिया जाता है।

बचाव प्रबंध :

हमारी कम्पनी में, निदेषक तकनीकी (संचालन) के नियंत्रण में मुख्य महा प्रबंधक (सुरक्षा/बचाव) के नेतृत्व में एवं महा प्रबंधक (बचाव) की देखरेख एवं मार्गदर्षन में सुगठित बचाव संगठन विद्यमान है। हमारे यहां मनेन्द्रगढ़ में एक रेस्क्यू स्टेषन है। नौरोजाबाद, बुढ़ार, बैकुण्ठपुर, बिश्रामपुर एवं कुसमुण्डा में पांच रेस्क्यू रूम, जहां पुनष्चर्या प्रषिक्षण सुविधा उपलब्ध है तथा गोविंदा (जमुना–कोतमा), हल्दीबाड़ी (चिरमिरी), भटगांव, रजगामार (कोरबा) तथा धरम (रायगढ़) में पांच रेस्क्यू रूम हैं, जो कि प्रत्येक खदान से 35 किमी की दूरी पर स्थित है। जहां से बिना किसी विलम्ब के बचाव सहायता की जा सकती है। रेस्क्यू स्टेषन तथा बचाव कक्ष सभी प्रकार के अपेक्षित साधनों जैसे – रेस्क्यू वैन, फायर टेण्डर, समुचित आधुनिक प्रषिक्षण सुविधाओं के साथ रेस्क्यू ब्रिगेड सदस्य साथ ही दूरसंचार पद्धति से सुसज्जित है। एसईसीएल में उपलब्ध 12 रेस्क्यू वैन में से रेस्क्यू स्टेषन में 2 रेस्क्यू वैन उपलब्ध कराया गया है तथा अन्य सभी रेस्क्यू रूम में प्रत्येक के लिए एक रेस्क्यू वैन की व्यवस्था की गयी है। इस कार्य के लिए 5 फायर टेण्डर हैं, जिसे क्रमषः मनेन्द्रगढ़, बुढ़ार, बैकुण्ठपुर, बिश्रामपुर तथा कुसमुण्डा में उपलब्ध कराया गया है।

सभी खदानों में सुपरिभाषित आपात संगठन योजना तथा त्वरित बचाव संचालन हेतु, बचाव योजना जिसे इमरजेन्सी एस्केप रूप से चिन्हित किया गया है, उपलब्ध है। ''माक रिहर्सल'' नियमित अन्तराल में पूर्ण किए जाते हैं।

पर्यावरण एवं समाज : हमारा संबंध :

एसईसीएल की खनन परियोजनाओं हेतु पर्यावर.ा नीति :

हम, सभी स्तर पर पर्यावरण विधान के अनुपालन, प्रदूषण बचाव पर जोर देते हुए सभी इच्छुक पार्टियों की भागीदारी तथा उत्पन्न बेकार भूमि के पुनः प्रयोग हेतु हमारे पर्यावरण निष्पादन में निरंतर सुधार हेतु प्रतिबद्ध हैं।

पारिस्थितिकी अनुकूल खनन :

01. कम्पनी पर्यावरण के बचाव एवं संरक्षण के संबंध में अत्यधिक जागरूक है तथा इस संबंध में कई आवष्यक कदम उठाए गए हैं।

02. दिनांक 01.04.2005 तक **2.00 करोड़ से अधिक पौधे** लगाए गए हैं, जिनमें से 90ः से अधिक पौधे जीवित हैं।

03. वर्ष 2004–05 में कुल **6,50,000 पौधे** लगाए गए।

04. 1831 हेक्टेयर खनित भूमि पूर्व में ही सुधारे जा चुके हैं। खदानों के लिए हवा, पानी एवं ध्वनि प्रदूषण का **नियमित मॉनीटरिंग** की जाती है।

05. अब तक कुल 2112 हेक्टेयर भूमि की बैक फीलिंग की जा चुकी है।

06. अधिभार ढेर तथा अन्य खनित क्षेत्रों पर स्वतः जीवितता पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना पद्धति हेतु कम्पनी के पहल पर विभिन्न अनुसंधान सस्थान द्वारा अनुसंधान अध्ययन प्रारंभ किए गए हैं।

07. एसईसीएल को नई दिल्ली में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा गौरवपूर्ण पुरस्कार **''इंदिरा प्रियदर्षिनी वृक्ष मित्र''** दिया गया है तथा प्रदूषण नियंत्रण में उत्कृष्टता हेतु **''जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल अवार्ड''** दिया गया है।

08. एसईसीएल को वर्ष 1999–2000 में आंध्र प्रदेष केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम कर्मचारी संघ, हैदराबाद द्वारा प्रदूषण नियंत्रण क्रियान्वयन हेतु **''इंदिरा गांधी मेमोरियल नेषनल अवार्ड''** दिया गया है।

सामुदायिक कल्याण :

वर्ष 2004–05 में बजट हेतु आबंटन 82.85 करोड़ का आबंटन किया गया, जिसे समुदाय के लिए चिकित्सा, षिक्षा, सामुदायिक विकास, नगर प्रषासन, मरम्मत (जलापूर्ति, रोड, ब्रिज), खेलकूद एवं पर्यावरण हेतु खर्च किया गया।

कोयला क्षेत्र से खेलकूद क्षेत्र तक : सामुदायिक कल्याण में सहायक :

चूंकि एसईसीएल दृढतापूर्वक विष्वास करती है कि वह क्षेत्र, जहां उसका संचालन–कार्य निष्पादन हो रहा है, बड़े समुदाय का एक भाग है। हम उनके न केवल आभारी हैं बल्कि उनके संचालन योजनाओं में समुदाय के क्षेत्रीय विकास, सामाजिक, आर्थिक वातावरण, सांस्कृतिक लोकाचार को भी ध्यान में रखने का कर्त्तव्य होता है। इस उद्देष्य के लिए कम्पनी द्वारा निम्न क्रियाकलाप साथ–साथ प्रारंभ किए गए हैं :

सड़क एवं पुल निर्माण तथा ऐसे विकास कार्यों के लिए राज्य शासन को सहयोग :

एसईसीएल के स्थापना काल से ही कोयला क्षेत्रों में सड़क एवं संचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

समुदाय के लिए पेयजल की आपूर्ति :

जल–अभाव वाले चिरमिरी क्षेत्र में विषाल एकीकृत जल आपूर्ति योजना के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कई हैण्ड पम्प लगाए गए हैं तथा कई मामलों में पाइप लाइनों का भी विस्तार किया गया है।

षिक्षा :

कम्पनी द्वारा कई स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के लिए अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगषाला के लिए निधि की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

खेलकूद :

बिलासपुर में भव्य स्टेट आर्ट स्टेडियम निर्माण हेतु प्रस्ताव के अलावा खेलकूद गतिविधियों पर भी कम्पनी काफी सक्रिय योगदान दे रही है परिणामस्वरूप कम्पनी के कर्मचारी इस क्षेत्र में उद्योग स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त किए हैं।

क्षेत्रीय सांस्कृतिक विकास :

कम्पनी हर वर्ष ''छत्तीसगढ़ लोकोत्सव'' का आयोजन करती है, जहां छत्तीसगढ़ के 200 से अधिक कलाकार भाग लेते हैं।

जन स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवाऍं :

कम्पनी द्वारा आंख/कान, परिवार कल्याण/चाइल्ड केयर, कृत्रिम अंग, साक्षरता इत्यादि के लिए अनेक षिविर, सामाजिक लोक कल्याण संबंधी अनेक सहायता षिविर इत्यादि के माध्यम से जनसेवा के कार्य किए जाते हैं।

परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के लिए एकीकृत पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना :

विस्तृत सामुदायिक विकास कार्य शुरू किये जाने के बाद भी एसईसीएल द्वारा सभी परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के लिए व्यापक सामाजिक, आर्थिक पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना भी सुनिष्चित किया गया है। इसमें आर्थिक सुधार के अलावा गृह निर्माण, जलापूर्ति, रोड, स्ट्रीट लाइटिंग, स्कूल, मनोरंजन केन्द्र, खेल मैदान सहित पुनर्वास ग्राम का निर्माण शामिल है।

इस प्रकार कम्पनी अपने वाणिज्यिक उद्देष्यों को प्राप्त करने के साथ सामुदायिक विकास को भी ध्यान में रखती है ताकि उद्योग एवं सामुदायिक विकास साथ–साथ चलें।

श्रमषक्ति : हमारी क्षमता / ताकत :

- दिनांक 01.04.2005 को कुल श्रमषक्ति : 87,590
- दिनांक 01.04.2005 को श्रमषक्ति :

अधिकारी	मंथली रेटेड	डेली रेटेड	पीस रेटेड	कम्पनी ट्रेनी	कुल
2806	14863	64153	4985	783	87590

- दिनांक 01.03.2005 को :

अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अन्य
21.25:	22:	18.59:	37.26:

दानकुनी कोल कॉम्पलेक्स :

पता : दानकुनी कोल कॉम्पलेक्स, दुर्गापुर एक्सप्रेस–वे, डी0 सी0 सी0, हुगली (पष्चिम बंगाल) पिन 712310.

कोलकाता कार्यालय : 13, आर0 एन0 मुखर्जी रोड, कोल हाऊस, प्रथम तल, कोलकाता – 700071.

सम्पर्क (फैक्स नं0) 033 – 2659–1721
033 – 2210–9250 (टेली / फैक्स)

सम्पर्क (दूरभाष) 022 – 2659–4202 / 3352,
033 – 2248–7401

सम्पर्क (ई–मेल) **`मबसकबब / वदसलेउंतजण्बवउ**

सम्पर्क (व्यक्तिगत) महा प्रबंधक (डी0 सी0 सी0),
विक्रय प्रबंधक (डी0 सी0 सी0)

....

उत्पाद की उपलब्धता एवं मूल्य विवरण समय–समय पर इंटरनेट पर ई–ऑक्सन बुलेटिन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

कोक : इसे हल्की राख, फास्फोरस, सल्फर कोयला श्रोत से बनाया जाता है। यह (+) 35 (–) 70 एम0 एम0, (+) 6 (–) 35 एम0 एम0 तथा 0–6 एम0 एम0 आकार में उपलब्ध होता है।

निष्चित कार्बन मात्रा :62–67: , व्ही0 एम0 3–5:, फास्फोरस 0.03–0.04:

कैलोरी मूल्य	5000–5500 के0 कैलोरी/के0जी0
प्रयोग	(+) 6 एम0 एम0 कोक का प्रयोग धुंआ रहित घरेलू ईंधन के रूप में इंडस्ट्रीयल रिडक्टेन्ट, बल्क फेराएलॉय तथा (–) 6 एम0 एम0 कोक ब्रिकेट्स सीमेंट के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

<u>प्लांट स्मेल्टिंग/रोस्टिंग :</u>

कोयला चूरा (कोल फाइन्स)	0.25 एम0 एम0 आकार, राख 18.22: कैलोरी मूल्य – 5400 से 5800 कैलोरी/के0जी0
प्रयोग	(1) विद्युत संयंत्र में पी0 एल0 एफ0 सुधार हेतु स्वीटनर (2) बेहर गुणवत्ता उत्पाद के लिए सीमेंट संयंत्र में प्रयोग. (3) लम्बी ज्वाला गुण होने के कारण बॉयलर तथा भट्ठी, ईंट तथा चूना भट्ठी के लिए उपयुक्त.
कोलतार	उच्च व्ही0 एम0 कोयला के विनाषक आसवन से कोलतार का का निर्माण होता है।
विषिष्ट गुरूत्व	1.02 – 1.05, नमीपन – 1.2: जी0 सी0 व्ही0 10,000 के ऊपर के0 कैलोरी., कायनेटिक विस्कासिटी 184.
प्रयोग	फरनेस आईल का प्रभावी स्थानापन्न, बोट पेन्ट के लिएतैयारी टारफेल्ट इत्यादि वाइट स्पेक्ट्रम मूल्य वाले रसायन प्राप्त किए जा सकते हैं, जैसे फिनाइल, आर्थो क्रेसॉल, मेटापैराक्रेसॉल, ज़ाइलेनॉल, एच0 बी0 टी0 ए0.

भारत सरकार के ईंधन नीति समिति ने सन् 1974 में अपने प्रतिवेदन में सन् 1970 के मध्य पेट्रोलियम के मूल्य में अचानक वृद्धि को देखते हुए ईंधन तेल आधारित पेट्रोलियम के विकल्प हेतु भारत में अनेक निम्न तापक्रम कार्बनीकरण संयंत्र (लो टेम्प्रेचर कार्बनाइजेषन प्लान्ट) स्थापित करने की अनुषंसा की। इस निर्णय के अनुसरण में भारत सरकार ने निर्णय लिया कि ऐसे संयंत्र कोल इण्डिया लि0 द्वारा संचालित किए जाएं तदनुसार दानकुनी में कार्बनीकरण संयंत्र स्थापित किया गया।

इस परियोजना के मुख्य उद्देष्य :

01. सीआईएल कोक के ब्राण्ड के रूप में ठोस धुंआ रहित इंधन (सॉलिड स्मोकलेस फ्यूल) की लगभग 800 टन मात्रा प्रतिदिन उत्पादन।

02. मेसर्स ग्रेटर केलकेटा गैस सप्लाई कारपोरेषन लि0 (जीसीजीएससी) के वितरण नेटवर्क पद्धति के माध्यम से कोलकाता तथा हावड़ा में एवं उसके आसपास प्रतिदिन 18 मिलियन सीएफटी कोयला गैर आपूर्ति।

03. प्रति 70 से 75 टन टार केमिकल का उत्पादन।

04. ठोस एवं गैसीय इंधन दोनों ही, जो प्रकृति में बहुत साफ है, कोलकाता एवं हावड़ा के प्रदूषण स्तर को घटाने में सहयोगी होंगे।

कोल इण्डिया लि0 द्वारा दानकुनी कोल कॉम्पलेक्स को पट्टे पर दिया गया है।

दानकुनी कोल कॉम्पलेक्स, दानकुनी (पष्चिम बंगाल) के उत्पाद :–

- सीआईएल कोक
- कोक फाइन्स
- कोल गैस
- लाइट ऑयल
- नेचुरल ऑयल
- हैवी ऑयल
- सॉफ्ट पिच
- फिनॉल
- आरथ्रो क्रेसॉल एण्ड मेटापैरा–क्रेसॉल
- ज़ाइलेनॉल
- हाई बॉयलिंग टार एसिड,
- अमोनियम सल्फेट
- सल्फर
- केल्सियम कार्बोनेट
- डिहाइड्रेटेड टार

एसईसीएल के अनुषंगियॉ (एन्सीलियरीज़ आफ एसईसीएल) :

एसईसीएल के निर्माण के बाद वर्ष 1987–88 से अनुषंगीकरण प्रारम्भ हुआ तथा आज दिनांक तक इकाइयॉ कार्यरत हैं एवं एसईसीएल को हर वर्ष 33 प्रकार के मदों की आपूर्ति कर रही हैं। ये सभी इकाइयॉ एसईसीएल के कोयला खदानों के नियंत्रण क्षेत्रों में स्थित हैं। ये कमषः बिलासपुर, सरगुजा, शहडोल, कोरबा एवं रायगढ़ में स्थित हैं।

अनुषंगी इकाइयों से ढुलाई कार्य बढ़ाने हेतु कुछ और मदों को अनुषंगीकरण हेतु पहचान किए गए हैं। इसे प्रकाषन हेतु राज्य प्राधिकारी को भेजा गया है। एसईसीएल द्वारा घोषित अनुषंगी इकाइयों को निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

(क) प्रतिभूति/बयाना राषि (सिक्योरिटी/अर्नेस्ट मनी) भुगतान से छूट.

(ख) यदि तकनीकी रूप से योग्य हैं तब निम्नानुसार क्रय तरजीह (परचेज प्रिफरेन्स) मिलेगा।

01. 100% तक आदेश या यदि अनुषंगी इकाई न्यूनतम हो जाती है तो उनकी क्षमता तक सीमित

02. यदि अनुषंगी इकाई एल–1 मूल्य की पुष्टि करती है तो दी गयी मात्रा के 50% तक आदेश.

(ग) एसईसीएल मुख्यालय या क्षेत्र द्वारा निरपेक्ष रूप से दिए गए आदेश के तीस दिनों के भीतर मुख्यालय से केन्द्रीयकृत भुगतान।

(घ) गुणवत्ता पैरामीटरों में, जहां अपेक्षित है, सुधार लाने के उद्देष्य से समय–समय पर एसईसीएल के तकनीकी अनुभवी व्यक्तियों द्वारा तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

एसईसीएल – उपभोक्ता संतुष्टि :

उपभोक्तावार प्रेषण एवं उपभोक्ता संतुष्टि हेतु उपाय :

01. प्रेषण किए जा रहे कोयले का सही मापतौल सुनिष्चित करने हेतु सभी 23 रेलवे सायडिंग/केप्टिव साइडिंग में इलेक्ट्रॉनिक प्रिंट आउट सुविधाओं के साथ 36 वे–ब्रिज की व्यवस्था की गयी है।

02. 90 रोड वे–ब्रिज भी संचालन में है।

03. विद्युत गृह को कोयला आपूर्ति हेतु 100% कोयले का आकार सुनिष्चित करने के लिए फीडर ब्रेकर तथा क्रषर स्थापित किए गए हैं।

वर्ष 2004–05 तक सेक्टरवार प्रेषण (मिलियन टन) :

सेक्टर	2003–04	2004–05	प्रतिशत
विद्युत गृह	57.49	60.98	9.46%
सी0 पी0 पी0 यूनिट	2.62	2.92	11.45%
इस्पात (ब्लेण्डेबल)	0.15	0.15	0.00%
इस्पात (नान–कोकिंग)	0.53	0.56	5.26%
इस्पात – कुल	0.68	0.71	4.12%
स्पंज	2.76	3.47	26.18%
सीमेन्ट	6.35	7.25	14.35%
उर्वरक	0.37	0.55	48.65%
अन्य	3.22	2.88	20.00%
योग	**70.87**	**78.76**	**11.13%**

क्षेत्रवार वैगन लदान स्थिति (2004–05) :

क्षेत्र	लदान (चार चक्का वैगन – आंकड़े)	
	2003–04	2004–05
01. कोरिया–रींवा	2219	2292
02. कोरबा	1960	2161
योग :	**4179**	**4453**

प्रेषित कोयले की माप एवं आकार (2004–05) :

वर्ष	तौल प्रतिषत	आकार प्रतिषत (सीएचपी / सीआर / एफबी / यूजी शेयर)
2002–03	98.80	96.59
2003–04	97.91	96.83′
2004–05	99.68	96.50

′ डोजर एवं श्रमिक साधनों को छोड़कर.

विद्युतगृह को कोयला प्रेषण : (2004–05) : 61.13 मिलियन टन

क0	विद्युत गृह	मिलियन टन
01.	एन0 टी0 पी0 सी0	12.05
02.	एम0 पी0 ई0 बी0	5.34
03.	बी0 एस0 ई0 एस0	2.51
04.	ए0 ई0 सी0	1.23
05.	जी0 ई0 बी0	15.30
06.	एम0 एस0 ई0 बी0	5.13
07.	आर0 एस0 ई0 बी0	9.92
08.	सी0 एस0 ई0 बी0	6.48
09.	पी0 एस0 ई0 बी0	2.49
10.	के0 पी0 सी0 एल0	0.67
	योग	**61.13**

एसईसीएल द्वारा षिकायतें दूर करने के लिए की गयी कार्यवाही :

01. एस0 ई0 बी0 एस / सी0 पी0 यू0 को दोनों तरफ तीसरा पक्ष सेम्पलिंग के लिए कहा गया है।

02. एसईसीएल एवं ए0 ई0 सी0 दोनों ने दिनांक 01.12.1998 से विद्युतगृह एवं लदान बिन्दुओं पर द्विपक्षीय विभागीय संयुक्त सेम्पलिंग के लिए सहमति व्यक्त की है।

गुणवत्ता के संबंध में :–

गुंणवत्ता मूल्यांकन निम्न विधि से किया जा रहा है –

01. ए0 ई0 सी0 एवं जी0 ई0 बी0 के साथ विद्युतगृह अंतिम एवं लदान बिन्दुओं दोनों जगहों में द्विपक्षीय संयुक्त सेम्पलिंग।

02. एम0 एस0 ई0 बी0 तथा आर0 एस0 ई0 बी0 के साथ विद्युतगृह (अंतिम) तथा लदान बिन्दुओं दोनों स्थानों में त्रिपक्षीय सेम्पलिंग।

03. सी0 एम0 ए0, जी0 एन0 एफ0 सी0 एवं एस0 आई0 एम0 ए0 हेतु लदान बिन्दुओं पर द्विपक्षीय संयुक्त सेम्पलिंग।

04. भिलाई इस्पात संयंत्र (सेल) के लदान बिन्दुओं पर त्रिपक्षीय सेम्पलिंग।

05. एन0 टी0 पी0 सी0 तथा एम0 पी0 ई0 बी0 के पिट हेड पी/गृहों के संबंध में द्विपक्षीय संयुक्त सेम्पलिंग।

मात्रा के संबंध में –

01. सभी साइडिंग में इलेक्ट्रॉनिक प्रिंट आउट सुविधाओं के साथ वे–ब्रिज.

02. एस0 ई0 बी0 एस0 के प्रतिनिधियों तथा अन्य उपभोक्ताओं को तौल, देखरेख हेतु प्रोत्साहन.

03. कोयला बिल के साथ ऐसे सभी तौल के प्रिंट आउट जमा किए जाते हैं.

04. एस0 ई0 बी0 एस0 तथा अन्य उपभोक्ताओं के प्रतिनिधियों को सभी साइडिंग में रखे गये संयुक्त निरीक्षण पंजी में अपनी टिप्पणी लिखने हेतु प्रोत्साहित किए जाते हैं।

निगमित प्रबंधन टीम (कारपोरेट मैनेजमेंट टीम) :

- **निगमित स्तर पर (एट कारपोरेट लेवल) :**

श्री एम0 के0 थापर	**अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेषक**	(07752–242397 / 240170) फैक्स : 07752–240306 ई–मेल बउक/मबसीुण्बवउ
श्री के0 के0 श्रीवास्तव	**निदेशक (कार्मिक)**	(07752–240088 / 240146) फैक्स : 07752–242310 ई–मेल कच/मबसीुण्बवउ
श्री सी0 एल0 श्रीवास्तव	**निदेशक तकनीकी (संचालन)**	(07752–240584 / 240432) फैक्स : 07752–241044 ई–मेल कजव/मबसीुण्बवउ
श्री टी0 पी0 श्रीवास्तव	**निदेशक तकनीकी (योजना /परियोजना)**	(07752–241927 / 241905) फैक्स : 07752–240250 ई–मेल कजचच/मबसीुण्बवउ
श्री पी0 एन0 दास	**निदेशक (वित्त)**	(07752–240582 / 242929) फैक्स : 07752–242685 ई–मेल कि/मबसीुण्बवउ

- अंशकालीन निदेषकगण :

01. श्री डी0 के0 वर्मा, निदेषक (वित्त) सीआईएल

02. श्री एस0 एस0 गुरू, मुख्य संचालन प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे.

03. श्री के0 एस0 क्रोफा, संयुक्त सचिव, कोयला विभाग, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार

एसईसीएल – विविध :

आई0 एस0 ओ0 एक्रेडिटेषन :

केन्द्रीय कर्मषाला, एसईसीएल, कोरबा को पुरानी मषीनों की मरम्मत एवं पुर्जों के निर्माण के क्षेत्र में गुणवत्ता पद्धति प्रमाणीकरण से आई0 एस0 ओ0 9002: 1994 लाइसेंस प्रदान की गयी है। यह लाइसेंस 21 दिसम्बर, 2000 से प्रभावी है। यह एसईसीएल की प्रथम इकाई एवं कोयला उद्योग में दूसरी, जिसने यह उत्कृष्टता प्राप्त की है। केन्द्रीय कर्मषाला, कोरबा के लिए आईएसओ–9002 : 1994 को आईएसओ–9001 : 2000 में परिवर्तित करने हेतु प्रक्रिया जारी है। आगे सेन्ट्रल कर्मषाला–गेवरा क्षेत्र, क्षेत्रीय कर्मषाला–बिजुरी (हसदेव क्षेत्र) तथा क्षेत्रीय कर्मषाला–कोरिया (चिरमिरी क्षेत्र) को आईएसओ–9001 : 2000 की मान्यता देने हेतु प्रक्रिया जारी है।

एसईसीएल के तीन खुली खदान परियोजनाओं क्रमषः गेवरा, दीपिका एवं कुसमुण्डा को ई0 एम0 एस0 (एन्वायरमेन्टल मैनेजमेन्ट सिस्टम) 14001 प्रमाणीकरण दिए जाने की प्रक्रिया जारी है। परामर्षदाता सी0 एम0 पी0 डी0 आई0 एल0, रांची (आईएसओ 9001–प्रमाणित कम्पनी) है एवं आषा है कि यह प्रमाणीकरण शीघ्र ही प्राप्त हो जाएगा।

जी0 आई0 एस0 (भौगोलिक सूचना पद्धति) :

एसईसीएल, एसईसीएल के पर्यावरण एवं सामाजिक प्रबंधन क्षमता के सांस्थानिक मजबूती के रूप में अपने मुख्यालय बिलासपुर में जी0 आई0 एस0 केन्द्र स्थापित कर रही है।

प्रतिपुष्टि (फीड बैक) :

आप हमारे वेबसाइट, उत्पादन, संस्था या अन्य किसी भी चीज के बारे में क्या सोचते हैं, कृपया बताएं। आपकी टिप्पणी एवं सुझावों का स्वागत है।

कृपया नीचे दिए गए स्थान पर अपनी टिप्पणी लिखें :

कृपया हमें अपना सम्पर्क पता दें।

नाम ....

ई–मेल ....

दूरभाष ....

फैक्स ....

एसईसीएल समाचार

01. एसईसीएल को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया :

श्री महेष कुमार थापर, अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक, एसईसीएल ने दिनांक 18. 05.2004 को कोलकाता में आर्थिक अध्ययन संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ इकानॉमिक स्टडी), नई दिल्ली द्वारा ''**आर्थिक विकास**'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एसईसीएल के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

यह पुरस्कार, एसईसीएल द्वारा प्राप्त अन्य पुरस्कार जैसे – ''**इंदिरा प्रियदर्षिनी पुरस्कार**'', ''**जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल नेहरू पुरस्कार**'', ''**राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार**'', ''**उत्तम प्रदूषण नियंत्रण पुरस्कार**'', ''**प्रदूषण नियंत्रण तथा ऊर्जा संरक्षण हेतु जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल नेषनल अवार्ड**'' तथा ''दि ग्रीनटेक पर्यावरण उत्कृष्ट रजत पुरस्कार'' के समकक्ष है।